ऋषिकेश में कैम्पिंग और कॉलेज गर्ल की चुदाई-1

“मैं अपने दोस्त के साथ ऋषिकेश कैम्पिंग के लिए गया तो हमें एक और ग्रुप मिल गया. उस ग्रुप की एक लड़की मेरे क्लोज होने की कोशिश कर रही थी. …”

Story By: tuktuk premi (tuktuk)
Posted: मंगलवार, जून 27th, 2017
Categories: कोई मिल गया
Online version: ऋषिकेश में कैम्पिंग और कॉलेज गर्ल की चुदाई-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ऋषिकेश में कैम्पिंग और कॉलेज गर्ल की चुदाई-1

दोस्तो, मेरा नाम टुकटुक है। मेरी इस सेक्स स्टोरी में आप सभी का स्वागत है। आपने मेरी पहली कहानियों को बहुत सराहा है, जिससे प्रेरित होकर मैं आप सबके सामने फिर से हाजिर हूँ। मेरी पिछली कहानियाँ तो आपको याद ही होंगी।

आइस क्यूब डिस्क में मिली टीना,
चुदासी मुस्कान कालिंग,
सिमरन की टॉप-गियर में चुदाई आदि

मेरी इन सभी कहानियों के लिए आप मुझे इस लिंक पर खोज सकते हैं

बाइ प्रोफेशन मैं एक आईटी प्रोफेशनल हूँ पर सेक्सी स्टोरीज लिखना मेरी बहुत सी हॉबी में से एक है। मैं नॉएडा की एक कंपनी में काम करता हूँ।

चलिए मैं आपका ज्यादा वक़्त ना लेते हुए अपनी लाइफ के ऐसे पहलू पर आता हूँ, जिसे आज 5 साल बाद भी सोच कर दिल में कुछ-कुछ होने लगता है। ये वाकिया उस समय का है, जब मैं 24 साल का था और ऑफिस में एक लंबी हॉलिडे होने के कारण मैं अपने एक जिगरी दोस्त के साथ लॉन्ग ड्राइव पर निकला हुआ था।

हम लोगों को रास्ता पता था, मंज़िल खोजनी थी, साथ ही अपने को रिफ्रेश करने के लिए हमारे पास 4 दिन का लंबा टाइम भी था। हम लोग अपनी कार से रात को 11 बजे निकल पड़े.. सोचा था कि किसी हिल स्टेशन पर जाकर कुछ आराम किया जाए। हम दोनों लोगों

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ने बियर का क्रेट पहले ही ले लिया था और वॉटर कूलर में सारी बियर्स डाल कर हम लोग चल पड़े। हम 100 किलोमीटर का सफ़र पूरा कर चुके थे, उस टाइम तक हम लोगों ने 2-2 बियर फिनिश कर दी थीं। हम लोगों को अब किसी ढाबे या रेस्टोरेंट की तलाश थी, जहाँ हम लोग कुछ खा पी सकें।

मुजफ्फरनगर क्रॉस करने के बाद हमें एक अच्छा सा रेस्टोरेंट दिखाई पड़ा। हम लोगों ने अपनी गाड़ी पार्क की और दोनों ही वाशरूम में चले गए। वहाँ से फ्रेश होकर हम लोगों ने डिनर टेबल पर बैठ कर वेटर को ऑर्डर लेने के लिए बुलाया। हम लोगों ने खाना ऑर्डर किया और खाना खाने मैं मसगूल हो गए। कुछ ही देर में हमने ऑलमोस्ट सारा ऑर्डर किया हुआ डिनर फिनिश कर लिया और वेटर को बिल पेमेंट के लिए कॉल किया।

वेटर कहीं और बिज़ी था इसलिए उसको आने में टाइम लग रहा था। तो मैंने सोचा कि काउंटर पर ही जाकर पेमेंट कर दिया जाए। हम लोग काउंटर की ओर बढ़े ही थे कि मेरी कमर पर मुझे कुछ गरम-गरम सा महसूस हुआ, कुछ ग़लत मत सोचिए.. मेरी शर्ट पे गरम सब्जी गिर चुकी थी और इस सब्जी को गिराने वाली एक लड़की थी जो कि अपने ग्रुप के साथ एक टेबल पर डिनर कर रही थी।

मुझे गुस्सा तो बहुत आया, पर मैं उस टाइम उस लड़की से कुछ ना कह पाया। कुछ ही देर मैं वाशरूम से अपनी शर्ट साफ़ करके निकल आया। मेरी शर्ट काफ़ी खराब हो चुकी थी लेकिन मेरे पास केवल एक ही विकल्प बचा था कि गाड़ी में जाकर चेंज कर लिया जाए। यही सोच कर मैं पेमेंट करने काउंटर पर पहुँचा।
वहाँ देखा तो वही लड़की मेरे साथ काउंटर पर पेमेंट कर रही थी। पर इस बार कुछ नया दिखा.. वो अकेली लड़की नहीं थी ग्रुप में उसके साथ 4 लड़कियाँ और थीं और 1 लड़का भी था। शायद वो लोग भी वीकेंड पर किसी हिल स्टेशन पे जा रहे थे। उस लड़की से मेरी नजर फिर से मिली और उसने मुझे एक प्यारी सी मुस्कान दी। मैंने भी रिवर्ट में मुस्कुरा कर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसका रेस्पॉन्स दिया। हम दोनों ग्रुप पेमेंट करके अपनी अपनी डेस्टिनेशन की तरफ निकल गए।

रात के 2:00 बज चुके थे और अब हम हरिद्वार के रास्ते पर आगे बढ़ रहे थे। हम लोगों ने ऋषिकेश जाने का प्लान कन्फर्म कर लिया था कि वहाँ जाकर हम लोग कैम्पिंग करेंगे और मॉर्निंग में रिवर राफ्टिंग करेंगे।

हम लोग सुबह 4 बजे ऋषिकेश सिटी में पहुँचे और एक होटल खोजने लगे। हमारी किस्मत अच्छी थी कि हमें पहले ही होटल में रूम मिल गया। चैक इन करने के बाद हम लोग फ्रेश हुए और हमें लोगों ने 2-3 घंटे सोने का फ़ैसला किया, क्योंकि ओवर नाइट जर्नी के बाद बॉडी थोड़ी थकी हुई थी और फ्रेशनेस के लिए सोना जरूरी लग रहा था।

हम लोग दिन के 11 बजे सोकर जागे और फिर होटल से निकल कर कैम्पिंग बुक करने के लिए चल पड़े। हम एक शॉप पर पहुँचे और वहाँ पता किया कि कैम्पिंग कहाँ से बुक कराई जा सकती थी.. तो पता चला कि हम लोगों को डाउनसाइड में जाने की जरूरत है, वहाँ बहुत सारे एजेंट्स यही काम करते थे।

हम लोग एक शॉप पर पहुँचे और पूछताछ करने लगा, तभी एक ग्रुप और उस शॉप पर आया और सेम चीज के लिए पूछताछ करने लगा। कमाल की बात ये थी कि वो ग्रुप कोई और नहीं था.. वही ग्रुप था, जो हमें नाइट में रेस्टोरेंट में मिला था।

आज वो लड़की एक झीनी सी टी-शर्ट और कैपरी पहने हुए थी। एक बार फिर से हम दोनों की नजरें मिलीं और आखों ही आँखों में हम दोनों ने एक-दूसरे को ही हैलो बोला। हमारा कैम्प ऑलमोस्ट फाइनल हो चुका था, लेकिन ये ग्रुप अभी भी कुछ मोलतोल कर रहा था। हम लोग पेमेंट करके अपनी पेमेंट स्लिप लेकर निकल ही रहे थे कि पीछे से एक बहुत प्यारी सी आवाज ने मुझे रोका- एक्सक्यूज मी.. क्या मैं आपसे एक मिनट बात कर सकती

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हूँ ?
ये और कोई नहीं था.. वही लड़की थी, जिसने मेरी शर्ट के ऊपर खाना गिराया था।

मैं रुका और बोला- यस.. वॉट कैन आई डू फॉर यू ?
इस पर उसने बहुत ही प्यारे तरीके से मुस्कुराते हुए कहा- हम लोग दिल्ली से पहली बार आए हैं, रिवर राफ्टिंग और कैम्पिंग के लिए.. हम लोगों को कुछ ज़्यादा पता नहीं है, ना ही कोई एक्सपीरियेन्स है। अगर आपको कोई प्राब्लम ना हो तो क्या हम लोग आप लोगों के साथ आ सकते हैं ?

मैंने ये चीज अपने फ्रेंड से डिसकस की और उसकी सहमति से मैंने बोला- अगर हम लोगों के कैम्पस की लोकेशन सेम है तो हम लोगों को कोई प्राब्लम नहीं है।

इतना कह कर हम लोग अपने होटल की तरह बढ़ गए। जाने से पहले उस लड़की ने मेरा मोबाइल नंबर ले लिया था, जिससे कि वो हम लोगों से कॉंटॅक्ट कर सके। कैम्प्स के लिए हम लोगों को एक सेंटर लोकेशन पर इकठ्ठा होना था, जो कि ऋषिकेश के आउटर में थी। हम लोग शाम 5 बजे उस जगह पहुँच गए। वहाँ पहुँचे तो पता चला कि वो ग्रुप पहले से ही वहाँ वेट कर रहा था।

फिर से उस लड़की की एक हसीन मुस्कान मुझे तक पहुंची और बड़े ही अच्छे सलीके से उसने 'हैलो..' कहा और हाथ मिलाया।

हम लोग एक टेंपो ट्रेवलर में एक साथ पहाड़ी रास्ते पर चल दिए, जहाँ हमारा कैम्प लगना था। इस ग्रुप से अब मेरी अच्छी बात हो रही थी। उस लड़की का नाम सोनम था और वो डीयू की बी.आर्क की स्टूडेंट थी.. वो अपने फ्रेंड सर्कल के साथ रिवर राफ्टिंग और कैपेनिंग करने आई थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हम सब लोग बड़े अच्छे से एक-दूसरे से बात कर रहे थे। उसी ग्रुप में एक दूसरी लड़की, जिसका नाम मोनिका था.. मुझे बार-बार सरसरी निगाह से देख रही थी। लेकिन उसकी मुझसे बात करने की हिम्मत नहीं हो रही थी। बातों ही बातों में सोनम ने सभी लोगों का परिचय कराया, तब जाकर पता चल कि जो अकेला लड़का है वो मोनिका का ब्वॉयफ्रेंड है।

हम लोग अब अभी डेस्टिनेशन पर पहुँच चुके थे। वहाँ हमारे गाइड ने हम लोगों को एक शेयर्ड कैम्प में नाश्ता दिया और हम सब लोगों को अपने-अपने कैम्प्स में जाने के लिए रास्ता दिखाया। मेरे और मेरे फ्रेंड के कैम्प के बीच में 2 कैम्प्स और थे, पर अभी तक पता नहीं था कि वहाँ कौन आने वाला है।

अंधेरा अच्छा ख़ासा हो चुका था.. गाइड ने आगे का प्रोग्राम बताया और बोला कि डिनर से पहले हम लोगों को कैम्पफायर का आनन्द मिलेगा।

हम सब लोग ठीक 8 बजे कैम्पफायर की लोकेशन पर पहुँच गए। हम लोगों के पास बियर्स थीं लेकिन हल्का ठंडा मौसम होने के कारण मेरे फ्रेंड ने एक व्हिस्की ऑर्डर कर दी। अब हम सब लोग कैम्पफायर के पास बैठकर हल्का-हल्का म्यूज़िक सुन रहे थे। मेरे एक साइड में मेरा फ्रेंड दूसरी साइड में मोनिका का ब्वॉयफ्रेंड और उसके आस-पास उसके ग्रुप के बाकी 4 लड़कियाँ बैठी थीं। तभी सोनम ने बोला कि म्यूज़िक सुनने से अच्छा है कि हम लोग अंताक्षरी खेलते हैं।

हम लोगों को उसमें कोई प्राब्लम नहीं थी। हम सब लोग अंताक्षरी खेलने लगे। सारे लोग 2 समूह में अलग-अलग बैठ गए। मेरे ग्रुप में सोनम, मेरा फ्रेंड और 2 लड़कियाँ और दूसरे ग्रुप में मोनिका उसका ब्वॉयफ्रेंड और बाकी की दो लड़कियाँ थीं। कुछ देर तो ठीक चला पर कुछ ही देर बाद कुछ डबल मीनिंग गानों की स्टार्टिंग हो गई, जो कि मोनिका ने शुरू की थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सोनम भी हम लोगों का साथ देने लगी। काफ़ी डबल मीनिंग गाने हम लोग गाते रहे। इसी बीच मेरे फ्रेंड को फ्रेश होने के लिए जाना पड़ा। वो बेस कैम्प की ओर चल दिया और सोनम मेरे पास आ गई। अब हम दोनों के बीच बस एक कम्बल का फासला था। मैं अपना पैग पी रहा था और वो अपने हाथ आग पर सेंक रही थी। शायद उसे ज्यादा सर्दी लग रही थी। उसे थोड़ी ठिठुरन भी हो रही थी। तो मैंने मजाक में पूछा कि सर्दी ज्यादा लग रही है तो एक आध पैग लगा लो, अच्छा लगेगा।

पर उसने अपनी आँखें थोड़ी नीचे करते हुए ना कर दिया। शायद वो इशारा कर रही थी कि बाकी लोगों के सामने वो पीती नहीं है। फिर सोनम ने अपने हाथ को कम्बल के अन्दर कर लिया और कम्बल का एक किनारा मेरे जांघ छूने लगा, पर वो केवल कम्बल नहीं था वो सोनम का हाथ था और उसने अपना एक हाथ मेरी जांघ पर रख दिया था। रात जवान होती जा रही थी और मुझे हल्का सा शुरूर भी होने लगा था।
यह हिंदी सेक्सी स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

धीरे-धीरे आग हल्की पड़ रही थी और सभी लोग आग के नजदीक आते जा रहे थे, जिससे सबके बदन एक-दूसरे से लगभग सट से गए थे। सोनम का शरीर भी मुझसे पूरी तरह सट गया था और उसका लेफ्ट हैण्ड पूरा मेरी जांघ पर आ चुका था। उससे मेरी नजदीकी इतनी बढ़ गई थी कि सोनम का लेफ्ट मम्मा मेरी कोहनी से बार-बार टच हो रहा था। मैं कभी जानबूझ कर कभी सोनम अपना शरीर मेरे शरीर से टच कर रही थी। मुझे वो पल बहुत अच्छा लग रहा था। उसका स्पर्श एकदम कमाल का था। काफ़ी टाइम बीत जाने के बाद हमारा गाइड हमारे पास आया और बोला कि डिनर तैयार है आप लोग जब चाहें तब डिनर कर सकते हैं।

हम लोगों ने 'ओके..' बोल कर उसे जाने दिया। शायद मोनिका को किसी और चीज का वेट था, सो वो अपने ब्वॉयफ्रेंड के पास जाकर कुछ बोली और दोनों उठकर जाने लगे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वे बोले कि उन्हें काफ़ी तेज भूख लग रही है।

तो बाकी की लड़कियाँ उसके साथ हो लीं, पर सोनम मेरे पास बैठी रही। मेरा फ्रेंड भी आकर हमारे सामने बैठा हुआ था। वो बोलने लगा कि हम लोगों को भी डिनर करके आराम करना चाहिए क्योंकि सुबह 6 बजे उठकर राफ्टिंग के लिए जाना है।

पर मैंने थोड़ा मुस्कुरा कर उससे बोला- तुम जाओ.. हम दोनों थोड़ी देर में डिनर करेंगे।

वो समझ गया और वहाँ से चला गया। अब मैं और सोनम अकेले आग के सामने बैठे थे।

पहली बार सोनम ने मेरा हाथ अपने हाथ में लिया और पूछा- जनाब आप अपने फ्रेंड के साथ डिनर करने क्यों नहीं गए ?

तो मैंने जवाब दिया कि जब तुम लड़की होकर अपने फ्रेंड्स को जाने दे सकती हो तो मुझे भी कुछ उम्मीदें हैं, मुझे भी आपके साथ कुछ टाइम अकेले बिताने का मन है।

इतना सुनकर वो हंस दी और मेरी बाजू पर एक किस करके बोली- कितनी भी देर में डिनर करें.. पर जाना तो अपने-अपने कैम्प्स में ही है।
मैंने बोला- हाँ ये तो सही है कि सोना तो अपने-अपने कैम्प में ही है, पर अगर तुम्हें एक-दो पैग पीने है, तो तुम मेरे कैम्प में आ सकती हो और हम लोग थोड़ा टाइम अकेले बिता सकते हैं।

वो एक अजीब सी मुस्कान देते हुए कुछ सोचने लगी और उसने हल्के से मेरी थाई पर अपना हाथ फेरा.. मैं सिहर उठा। क्योंकि सोनम का हाथ ऑलमोस्ट मेरी फ्रेंची पर ऊपर से होकर गुजरा था और मेरा मर्दाना लंड अपना मुँह उठाने लगा था।

इसका अर्थ ये था कि वो मेरे लंड से चुदना चाह रही थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दोस्तों इस सेक्स स्टोरी पर आपके कमेंट्स का इन्तजार रहेगा।

कहानी जारी है।

mailfortuktuk@gmail.com

ऋषिकेश में कैम्पिंग और कॉलेज गर्ल की चुदाई-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Savitha Bhabhi

www.kirtu.com Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Velamma

https://www.velamma.com/ Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Suck Sex

www.sucksex.com Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Tanglish Sex Stories

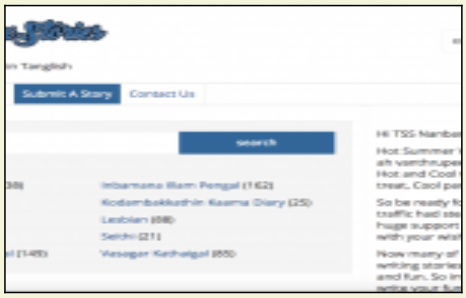

www.tanglishsexstories.com

Indian Phone Sex

www.indianphonesex.com Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire